

श्रक्षायः रण EXTRAORDINARY

भाग II— खण्ड 3 — उपखण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

R 343

मई दिल्ली, शुक्रवार, क्षितम्बर 5, 1975/भाव 14, 1897

No. 343]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 5, 1975/BHADRA 14, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिस्ते कि यह अलग संकलन के रूप में रखा आ सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th September 1975

- **S.O. 474(E). IDRA/29B/75.**—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act. 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby exempts from the operation of clause (d) of sub-section (1) of section 13 of the said Act and the rules made thereunder all industrial undertakings registered under the said Act or in respect of which a licence or permission has been issued under the Act and pertaining to any of the scheduled industries specified in the Schedule to this notification, to the extent of 5 per cent per annum or 25 per cent in a Five Year Plan period, of the registered or licensed capacity of the industrial undertakings in one or more stages subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the articles of manufacture shall not be an article specified in Schedule I to the notification No. 98(E)/IDRA/29B/73/1 dated the 16th February 1973, of the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development);
 - (ii) the investment in effecting such substantial expansion by the undertaking shall be met from its own sources without recourse to public financial institutions;

- (iii) if any scheme of substantial expansion involves import of capital equipment, it will be subject to such export obligations as may be specified at the time of approval of the import of capital equipment:
- (iv) the industrial undertaking does not have any foreign collaboration agreement containing restrictive clauses particularly in regard to exports;
- (v) the industrial undertaking shall be eligible for exemption only if the expansion proposed is in respect of any description of goods for which the industrial undertaking is not a dominant undertaking within the meaning of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969).
- 2. This is in addition to and not in derogation of notification No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February 1973, of the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development).

SCHEDULE

- 1. Automobile ancillaries.
- 2. Castings and closed die forgings.
- 3. Tractors.
- Commercial Vehicles.
- 5. Conveying equipment.
- 6. Diesel engines, pumps.
- Cranes.
- 8. Earth moving, mining and metallurgoial equipment.
- 9. Hydraulic equipment.
- 10. Industrial machinery, including Chemical Plant and Machinery.
- 11. Machine tools.
- 12. Textile machines.
- 13. Power transmission and distribution equipment (other than cables and wires).
- 14. Power transformers.
- 15. Switchgear.

[No. F. 12(21)/Lic. Pol./75]
D. K. SAXENA, Jt. Secy.

उद्योग श्रौर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग)

प्रधिस्**चना**

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1975

का० ग्रा० 474(ग्र)/उ०वि० वि० ग्र०/29ख/75.— केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, ऐसे सभी श्रीद्योगिक उपक्रमों को, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन रिट्रिट्रे, इत हैं या जिनकी, बाबात कोई श्रनुक्रित या श्रनुक्रा श्रिधिनयम के श्रिधीन जारी की जा चुकी है श्रीर जो इस श्रिधिसूचना की श्रनुसूची में विनिष्टि श्रनुस्चित उद्योगों में से किसी से सम्बन्धित हैं, निम्नलिखित शर्तों के श्रिधीन रहते हुए, एक या श्रिधक प्रक्रमों में श्रीद्योगिक उपक्रमों की रिजस्ट्रीक्रत या श्रनुक्रप्त क्षमता के, किसी पंच-श्रुवीय योजना की श्रविध में, 5 प्रतिशत प्रति वर्ष या 25 प्रतिशत की सीमा

तक उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के प्रवर्तन से छूट देती है, अर्थात:—

- (i) विनिर्माण की वस्तु भूतपूर्व ग्रौद्योगिक विकास मंत्रालय (ग्रौद्योगिक विकास विभाग)
 की ग्रिधिसूचना सं० 98 (ग्र) / उ० कि० वि० ग्रं०/29व/73/1, तारीख
 16 फरवरी, 1973 की ग्रनुसूची 1 में विन्निद्धिट वस्तु नहीं होगी;
- (ii) उपक्रम द्वारा ऐसा सारभूत विस्तार करने में विनिधान, सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं के उपाश्रय के बिना ग्रपने निजि स्त्रोंतो से पूरा किया जायेगा;
- (iii) यदि सारभूत विस्तार की किसी स्कीम में पूंजीगत उपस्कर का श्रायात श्राता हो, तो वह ऐसी निर्यात बाध्यताश्रों के श्रधीन रहते हुए होगा, जो पूंजीगत उपस्कर के श्रायात के श्रनुमोदन के समय विनिर्दिष्ट की जाएं :---
- (iv) श्रौद्योगिक उपक्रम का कोई ऐसा विदेशी सहयोग करार न हो जिसमें निर्बन्ध-नात्मक खण्ड, विशिष्टत: निर्यातों के सम्बन्ध में, हो ;
 - (v) श्रीद्योगिक उपक्रम केवल तभी छूट के लिए पात होगा जब कि प्रस्थापित विस्तार ऐसे माल के किसी वर्णन की बाबत है, जिसके लिए श्रीद्योगिक उपक्रम, एकाधिकार तथा निर्बन्धनकारी च,पार प्रथा श्रिधिनियम, 1969 (1969 का 54) के ग्रर्थ के ग्रन्तर्गत प्रभावी उपक्रम नहीं है।
- 2. यह भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) की श्रिधसूचना सं० का ० श्रा० 98 श्र/उ० वि० वि० श्र०/29 वि/73, तारीख 16 फरवरी, 1973 के श्रितिरिक्षत है न कि उसके श्रल्पीकरण में ।

ग्रनुसूची

- भ्राटोमोबाइल सहायक।
- 2. संचकन श्रौर बन्द डाइ फोर्जन ।
- 3. द्रेक्टर ।
- 4. वाणिज्य यान ।
- 5. वहन उपस्कर ।
- 6. डीजल इंजन ।
- ७. केनें।
- 8. मृदा हटाने, खनन श्रीर धातुकर्मीय उपस्कर ।
- 9. द्रवचालित उपस्कर ।
- 10. श्रौद्योगिक मशीनरी जिसमें रसायनिक संयन्त्र श्रौर मशीनरी सम्मिलित हैं।
- 11. मशीन भ्रौजार।

- 12. बस्त्र मशीनें।
- 13. शक्ति संचरण और वितरण उपस्कर (केवल भीर तारों से भिन्न)ूँ।
- 14. शक्ति परिणामित्र।
- 15. स्विचिगियर।

[सं॰ फा॰ 12(21)/ग्रन्ज्ञा नीति/75] डी॰ फे॰ सक्सेना, संयुक्त सिचव ।